THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak
An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

14 अगस्त

9875170111
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

सुर्खियों में क्यों ?

- भारत ने जी4 देशों (ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत) की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की उच्च स्तरीय बहस में एक वक्तव्य दिया, जिसमें यूएनएससी में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया।
- वक्तव्य में वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए स्थायी श्रेणी में अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। जी4 देशों ने दोहराया कि विशेष रूप से अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के लिए प्रतिनिधित्व की कमी को संबोधित किए बिना, यूएनएससी समकालीन वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए अपर्याप्त रहेगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी):**
  - **1945** में स्थापित; संयुक्त राष्ट्र के **छह मुख्य अंगों में से एक**; **प्राथमिक जिम्मेदारी** अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
  - **यूएनएससी के स्थायी सदस्य:** चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनमें से प्रत्येक के पास **वीटो** पावर है।
  - **गैर-स्थायी सदस्य: 10 सदस्य** बिना वीटो पावर के **दो साल** के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं।
  - **पहला सत्र** - 17 जनवरी 1946 को वेस्टमिंस्टर, लंदन में हुआ।
  - **मुख्यालय:** न्यूयॉर्क

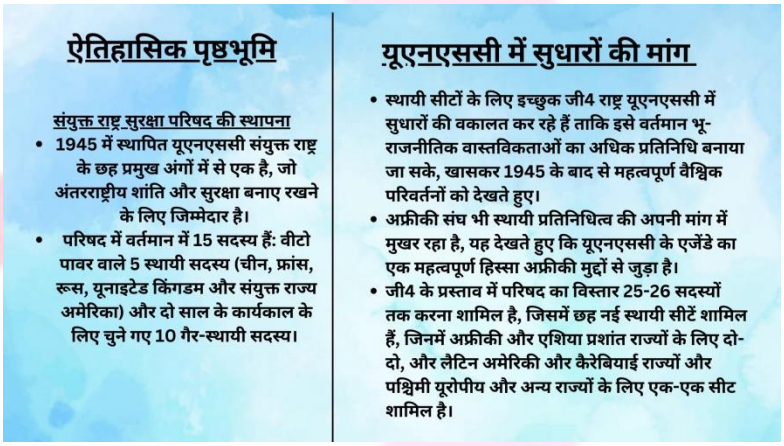

यूएनएससी चुनाव:

- प्रत्येक वर्ष महासभा दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पांच गैर-स्थायी सदस्यों (कुल 10 में से) का चुनाव करती है।
- परिषद में चुने जाने के लिए, उम्मीदवार देशों को सभा में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्य राज्यों के मतपत्रों के दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।
- 10 गैर-स्थायी सीटें क्षेत्रीय आधार पर इस प्रकार वितरित की जाती हैं:
  1. अफ्रीकी और एशियाई राज्यों के लिए पांच।
  2. पूर्वी यूरोपीय राज्यों के लिए एक।
  3. लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई राज्यों के लिए दो;
  4. पश्चिमी यूरोपीय और अन्य राज्यों के लिए दो।

मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण

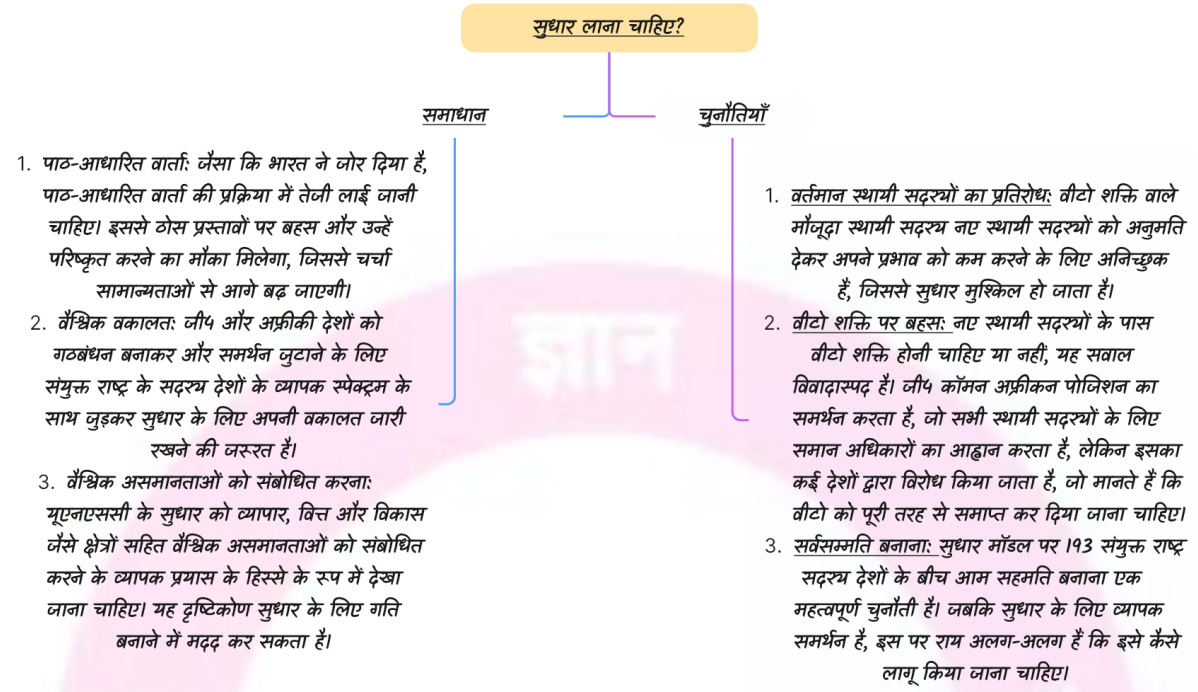

यूपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा 2022 से प्रश्न

"संयुक्त राष्ट्र प्रत्यय समिति (युनाईटेड नेशंस क्रेडेंशियल्स कमिटी)" के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह संयुक्त राष्ट्र (UN) सुरक्षा परिषद् द्वारा स्थापित समिति है और इसके पर्यवेक्षण के अधीन काम करती है।
2. पारंपरिक रूप से प्रति वर्ष मार्च, जून और सितंबर में इसकी बैठक होती है।
3. यह महासभा को अनुमोदन हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पूर्व सभी UN सदस्यों के प्रत्ययों का आकलन करती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं ?

a) केवल 3
b) 1 और 3
c) 2 और 3
d) 1 और 2

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन भारत के कपास के खेतों में बाल श्रम और जबरन काम को समाप्त करने की दिशा में काम कर रहा है

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

सुर्खियों में क्यों ?

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ (CITI) के साथ मिलकर एक परियोजना शुरू की है जिसका उद्देश्य भारत के कपास के खेतों में बाल श्रम और जबरन काम को खत्म करना है।
- यह पहल, जिसे काम पर मौलिक सिद्धांतों और अधिकारों को बढ़ावा देना (FPRW) के नाम से जाना जाता है, भारत के 11 राज्यों में लगभग 65 लाख कपास किसानों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती है।
- यह परियोजना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के कपास और संकर कपास के बीज वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका के श्रम विभाग की 'बाल श्रम या जबरन श्रम द्वारा उत्पादित वस्तुओं की सूची' में सूचीबद्ध हैं। ।

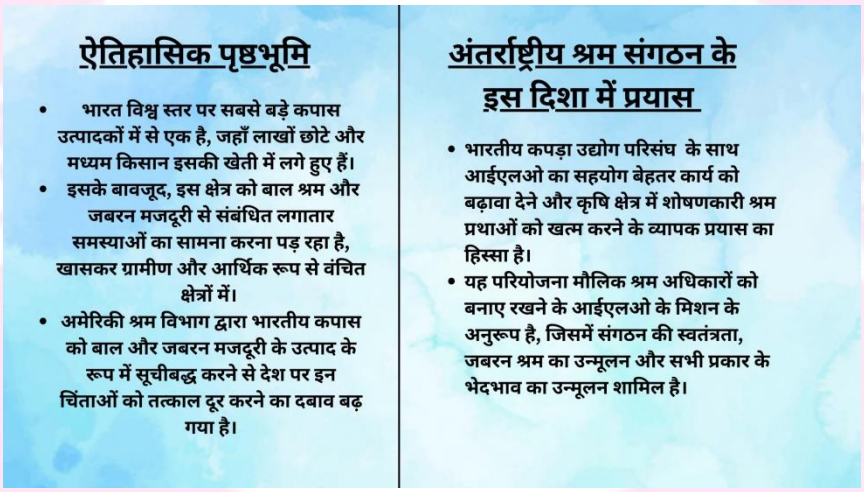

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO):

- यह संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है जो दुनिया भर में श्रम की स्थिति और जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है।
- **स्थापना:** इसकी स्थापना **1919 में वर्सेल्स की संधि** के हिस्से के रूप में की गई थी
  - 1946 में, ILO नवगठित UN की एक विशेष एजेंसी बन गई।
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विटज़रलैंड।
- **सदस्यता:** यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह (UNDP) का भी सदस्य है, जो सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के उद्देश्य से UN संगठन का एक गठबंधन है।

- **सदस्य:** ILO के 187 सदस्य देश हैं: 193 UN सदस्य देशों में से 186 और कुक आइलैंड्स।
- **संरचना:** यह एकमात्र त्रिपक्षीय U.N. एजेंसी है, जो 187 सदस्य देशों की सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाती है।

मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण

अन्य खबरें

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
सेवा का वितरित अस्वीकरण हमला	• **सुर्खियों में क्यों** – पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क के बीच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बहुप्रतीक्षित साक्षात्कार को **सेवा के वितरित अस्वीकरण (डीडीओएस)** हमले के कारण व्यवधानों का सामना करना पड़ा।। **सेवा का वितरित अस्वीकरण (डीडीओएस) के बारे में** • यह हमला सर्वर के सामान्य संचालन को बाधित करने का एक दुर्भावनापूर्ण प्रयास है, जिसमें सर्वर पर उच्च

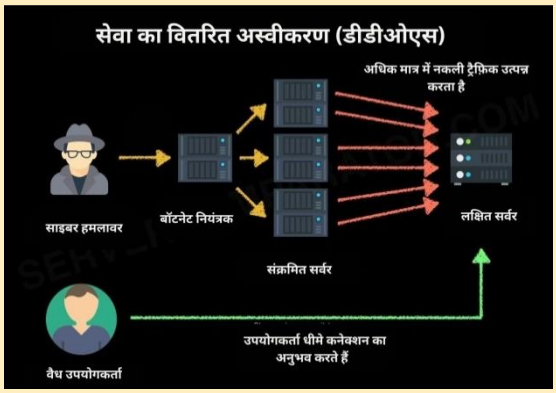

	मात्रा में नकली ट्रैफ़िक भर दिया जाता है, जिससे नियमित उपयोगकर्ता नेटवर्क तक नहीं पहुँच पाते। • **प्रक्रिया –** हमलावर आमतौर पर कई मैलवेयर संक्रमित कंप्यूटर नेटवर्क या अन्य इंटरनेट से जुड़े उपकरणों का उपयोग करते हैं। फिर इन्हें लक्षित सर्वर पर दूरस्थ रूप से निर्देशित किया जाता है। **मैलवेयर के बारे में –** मैलवेयर,"दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर" का संक्षिप्त रूप है। यह ऐसा सॉफ़्टवेयर है जिसे **कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क या डिवाइस की कार्यक्षमता को नुकसान पहुँचाने, उसका शोषण करने या अन्यथा संक्रमित करने के लिए डिज़ाइन** किया जाता है। साइबर अपराधी डेटा चुराने, सिस्टम को नुकसान पहुँचाने या संसाधनों तक अनधिकृत पहुँच प्राप्त करने के लिए मैलवेयर का उपयोग करते हैं। 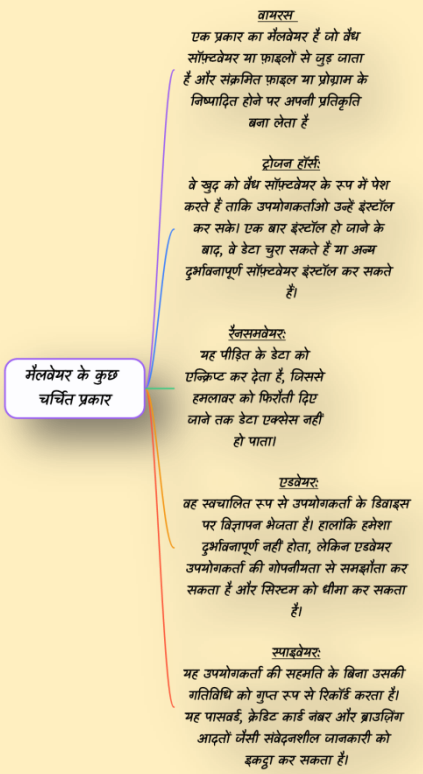
'फ्लडवॉच इंडिया' मोबाइल ऐप	• **सुर्खियों में क्यों –** केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा विकसित 'फ्लडवॉच इंडिया' मोबाइल एप्लीकेशन का संस्करण 2.0 हाल ही में लॉन्च किया गया। **इसके बारे में –** • **केंद्रीय जल आयोग** (सीडब्ल्यूसी) द्वारा विकसित। ○ सीडब्ल्यूसी जल संसाधनों के क्षेत्र में देश का एक प्रमुख तकनीकी संगठन है। ○ यह वर्तमान में जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के संबद्ध कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। • **उद्देश्य:** देश में बाढ़ की स्थिति से संबंधित जानकारी और 7 दिनों तक बाढ़ के पूर्वानुमान को वास्तविक समय के आधार पर जनता तक पहुँचाने के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करना। • उपग्रह डेटा विश्लेषण, गणितीय मॉडलिंग और वास्तविक समय की निगरानी जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करता है। • **नदी प्रवाह डेटा –** यह ऐप विभिन्न स्रोतों से प्राप्त वास्तविक समय के नदी प्रवाह डेटा का उपयोग करता है।
लंबी दूरी का ग्लाइड बम 'गौरव'	• **सुर्खियों में क्यों –** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने **सुखोई-30 एमकेआई प्लेटफॉर्म** से 'गौरव' नामक लंबी दूरी के ग्लाइड बम का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

	• ***गौरव के बारे में:*** *यह एक अत्याधुनिक एयर-लॉन्च ग्लाइड बम है जिसका वजन* ***1,000 किलोग्राम*** *है।*
	  ○ *इसे* ***लंबी दूरी से लक्ष्य को निशाना*** *बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है*
	  ○ *यह एक परिष्कृत नेविगेशन सिस्टम से लैस है जो उच्च सटीकता के साथ हमला सुनिश्चित करने के लिए कई मार्गदर्शन विधियों का उपयोग करता है।*
	  ○ ***विकसित*** *- हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत द्वारा*
	• ***लंबी दूरी के ग्लाइड बम-***
	  ○ *गौरव जैसे लंबी दूरी के ग्लाइड बम बिना किसी प्रोपल्शन के 110 किलोमीटर से ज़्यादा की दूरी तय कर सकते हैं।*
	  ○ *वे जीपीएस द्वारा निर्देशित होते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने लक्ष्यों को सटीक रूप से हिट करें। साथ ही उनका रडार द्वारा पता नहीं चलता।*
	
	1. रूसी विमान निर्माता सुखोई द्वारा विकसित और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा लाइसेंस के तहत निर्मित।
	2. सुखोई एसयू-30 का एक संस्करण, यह एक भारी, सभी मौसमों में काम करने वाला, लंबी दूरी का लड़ाकू विमान है।
	3. आंतरिक ईंधन के साथ Su-30MKI की रेंज 3,000 किमी है

जियो पारसी योजना पोर्टल	• ***सुर्खियों में क्यों -*** *हाल ही में जियो पारसी योजना पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पहल का उद्देश्य जियो पारसी योजना के तहत पारसी जोड़ों को वित्तीय सहायता तक आसान पहुंच प्रदान करना है, जिससे समुदाय की घटती जनसंख्या प्रवृत्ति को उलटने के प्रयासों का समर्थन किया जा सके।* • ***पोर्टल के बारे में:*** *यह पोर्टल पारसी दम्पतियों को योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करने, अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक करने और* ***प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) मोड*** *के माध्यम से* ***सीधे वित्तीय सहायता प्राप्त*** *करने की सुविधा देता है।* ***जियो पारसी योजना के बारे में:*** • *मंत्रालय - अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा 2013 में शुरू की गई* • *मुख्य उद्देश्य - पारसी जनसंख्या में गिरावट की प्रवृत्ति को रोकना, वैज्ञानिक प्रोटोकॉल और संरचित हस्तक्षेप अपनाना, ताकि उनकी जनसंख्या को स्थिर किया जा सके।* • *वित्तपोषण - 100% केन्द्रीय क्षेत्र योजना।*
मैडम भीकाजी कामा	• ***सुर्खियों में क्यों*** *- प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा को उनकी*

	पुण्यतिथि (13 अगस्त) पर याद किया गया। **इनके बारे में:** • वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सक्रिय सदस्य थीं। • उन्होंने **इंग्लैंड** में **भारतीय समुदाय के बीच स्वराज** के मुद्दे का प्रचार किया। • **1907** में मैडम कामा **जर्मनी में भारतीय ध्वज फहराने** वाली **पहली व्यक्ति** बनीं। ध्वज को **भीकाजी कामा + विनायक दामोदर सावरकर + श्यामजी कृष्ण वर्मा** ने डिजाइन किया था। • भीकाजी कामा ने पेरिस में **पेरिस इंडियन सोसाइटी** की स्थापना की। इसे **भारत मंडल** के नाम से भी जाना जाता है। • उन्हें रीवाभाई राणा के साथ बोर्डो में भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया था। • **साहित्यिक कृतियाँ:** 'वन्दे मातरम' और 'मदन की तलवार'। • 1997 में, भारतीय तटरक्षक बल ने बिखाईजी कामा के नाम पर प्रियदर्शिनी श्रेणी का तीव्र गश्ती पोत आईसीजीएस भीकाजी कामा को कमीशन किया।
मलखंब	• **इसके बारे में:** यह भारतीय उपमहाद्वीप से उत्पन्न एक पारंपरिक खेल है, जिसमें खिलाड़ी लकड़ी के एक ऊर्ध्वाधर खम्भे या रस्सी के ऊपर तरह-तरह के करतब दिखाते हैं। • **शाब्दिक अर्थ:** मल्लखम्भ दो शब्दों मल्ल (पहलवान या बलवान) तथा खम्भ (खम्भा या पोल) से मिलकर बना है। • **उत्पत्ति:** 12वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में पता लगाया गया। लकड़ी के खंभों पर अभ्यास करने वाले पहलवानों का उल्लेख चालुक्य द्वारा 1153 ई. में लिखे गए मानशोला में मिलता है। • **पुनरुद्धार:** इसे 19वीं शताब्दी के अंत में बाजीराव पेशवा द्वितीय के प्रशिक्षक बलमभट्ट दादा देवधर द्वारा पुनर्जीवित किया गया था। • **क्षेत्र:** मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र **(इसकी उत्पत्ति महाराष्ट्र में हुई थी।)**
अंतर्राष्ट्रीय डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी)	• **इसके बारे में:** सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी बाजारों के लिए एक प्रमुख डेटा और इवेंट प्रदाता। • **संरचना:** दुनिया भर में 1,300 से अधिक विश्लेषक। • **कार्य:** यह प्रौद्योगिकी और उद्योग के अवसरों में स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विशेषज्ञता प्रदान करता है।

	• **कवरेज:** 110 से अधिक देश। • **महत्व:** इसके द्वारा प्रदान किया गया विश्लेषण और अंतर्दृष्टि आईटी पेशेवरों, निवेश समुदायों और व्यावसायिक अधिकारियों को तथ्य-आधारित प्रौद्योगिकी निर्णय लेने और प्रमुख व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।
ज़ेरोजेल ड्रेसिंग	• **सुर्खियों में क्यों** - पुणे स्थित अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट (एआरआई) के शोधकर्ताओं ने एक अत्यधिक छिद्रयुक्त मिश्रित ज़ेरोजेल ड्रेसिंग विकसित की है, जिसमें रक्त के थक्के को बेहतर बनाने की क्षमता है, जो अनियंत्रित रक्तस्राव के प्रबंधन के लिए एक आशाजनक समाधान प्रदान करता है। • **इसके बारे में:** सिलिका नैनोकणों (SiNPs) और कैल्शियम को शामिल करने वाली इस अभिनव ड्रेसिंग ने मौजूदा वाणिज्यिक ड्रेसिंग की तुलना में रक्त के थक्के जमने की क्षमता में 13 गुना वृद्धि प्रदर्शित की है। • **ज़ेरोजेल** - जेल को सुखाकर बनाया गया एक अत्यधिक छिद्रयुक्त ठोस पदार्थ, जो इसकी उच्च अवशोषण क्षमता के कारण हेमोस्टेटिक ड्रेसिंग सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है। • **रक्त के थक्के बनाने में कैल्शियम:** एक आवश्यक तत्व जो प्लेटलेट सक्रियण और एकत्रीकरण सहित रक्त के थक्के बनाने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। • **अनुप्रयोग:** उत्प्रेरक, अधिशोषक, सेंसर, झिल्ली और दवा वितरण प्रणालियों में भी उपयोग किया जाता है।
कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV)	• **इसके बारे में -** वायरस मुख्य रूप से श्वान के श्वसन, जठरांत्र, केंद्रीय तंत्रिका तंत्रों के साथ-साथ आंख की कंजाक्तिवा झिल्लियों में गंभीर संक्रमण पैदा करने के लिए जाना जाता है। • यह **एकल-रज्जुक आरएनए वायरस** के कारण होता है। • यह जंगली मांसाहारी जानवरों जैसे भेड़िये, लोमड़ी, रैकून, लाल पांडा, लकड़बग्घा, बाघ और शेर को भी प्रभावित कर सकता है। • **शेरों में संक्रमण** - शेर एक बार में पूरा शिकार नहीं खाता। बीच में, श्वान शिकार को खा जाते हैं और उसे सी.डी.वी. से संक्रमित कर देते हैं। जब शेर उसे खाने के लिए वापस आता है, तो उसे यह जानलेवा बीमारी हो जाती है। • बाघों की तुलना में शेरों के लिए अधिक खतरनाक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शेर बड़ी संख्या में एक साथ घूमते हैं, जिससे वे बाघों की तुलना में वायरस के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। • **इलाज -** अभी तक कोई इलाज या एंटीवायरल दवा स्वीकृत नहीं की गई है। कैनाइन डिस्टेंपर को रोकने का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है।

नोट - 13 अगस्त के करंटनामा में **यमुना नदी** विषय के अंतर्गत "दुनिया की सबसे बड़ी स्वतंत्र पर्वत श्रृंखला" के बिन्दु का उल्लेख है। वह 12 अगस्त के करंटनाम का ही बिन्दु है(किलिमंजारो पर्वत के संदर्भ में)। 13 अगस्त वाले मे गलती से छप गया है।